/font>

Title: Need to ensure that delimitation of constituencies is done after consulting the elected representatives of the area- Laid.

श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) : महोदय, इस समय देश में लोक सभा तथा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन का कार्य चल रहा है परन्तु संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के सांसदों तथा विधायकों तक से यह राय नहीं ली गयी है, किन क्षेत्रों को उनके निर्वाचन क्षेत्र से निकाला जाए और किन क्षेत्रों को शामिल किया जाये। अधिकारीगण इस कार्य को बिना कोई राय मशविरे के कर रहे हैं। न तो इस विाय में अभी तक कोई मीटिंग बुलायी गयी है और न ही अखबारों में इस विाय में िवज्ञापन जारी कर आम जनता की राय मांगी गयी है। सभी संबंधित लोग इस विाय में पूरी तरह अनभिज्ञ हैं1 इस कार्य में पूरी तरह खुलेपन से कार्य किया जाना चाहिए तथा आम जनता को यह पता होना चाहिए कि उन्हें किस निर्वाचन क्षेत्र में हस्तांतरित किया जा रहा है। यही नहीं पुनर्गठन इस प्रकार होना चाहिए कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जनसंख्या यथासंभव बराबर-बराबर हो।

अतः इस सदन के माध्यम से मैं सरकार से अपील करता हूं कि वह इस मामले में स्पटता से काम ले तथा पुनर्गठित किए जाने वाले निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल किए जाने वाले क्षेत्रों को समाचार पत्रों में प्रकाशित करके संबंधित जनप्रतिनिधियों, सांसदों, विधायकों, जिला परिाद सदस्यों, पंचायत समितियों तथा गांवों के सरपंचों तथा आम जनता के साथ राय मशविरा करके निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन करे।